



उमर अब्दुल्लाह के शपथ ग्रहण में इंडिया गठबंधन की एकजुटता का प्रदर्शन

पर, कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई, बाहर से समर्थन देगी

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर नेशनल कॉर्नेस (एस.सी.) के उपायकारी उमर अब्दुल्लाह (45) ने विधायकों को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 5 अन्य मंत्रियों ने शपथ ली।

उमर ने जम्मू के नौशेरा से चुनाव जीते व्यवसायी सुरिंदर चौधरी को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया। चौधरी ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना को हराया।

शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के सभी प्रमुख दलों में नेताओं ने भाग लिया, जिनमें अखिलेश यादव, मलिकार्जुन खड्गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रकाश करात, डी.राजा, कनिमाई, सुप्रिया सुले प्रमुख थे।

कांग्रेस के सरकार में शामिल नहीं होने पर अवश्य कुछ सवाल उठे। बताया जाता है कि एक ही मंत्री पद दिए जाने से नाराज होकर कांग्रेस ने बाहर से समर्थन देने का निर्णय लिया है।

- उमर अब्दुल्लाह ने दूसरी बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की शपथ ली। उमर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री चुने गए हैं, उनके साथ 5 अन्य मंत्रियों ने शपथ ली।
- उमर ने जम्मू के नौशेरा से चुनाव जीते व्यवसायी सुरिंदर चौधरी को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया। चौधरी ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना को हराया।
- शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के सभी प्रमुख दलों में नेताओं ने भाग लिया, जिनमें अखिलेश यादव, मलिकार्जुन खड्गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रकाश करात, डी.राजा, कनिमाई, सुप्रिया सुले प्रमुख थे।
- कांग्रेस के सरकार में शामिल नहीं होने पर अवश्य कुछ सवाल उठे। बताया जाता है कि एक ही मंत्री पद दिए जाने से नाराज होकर कांग्रेस ने बाहर से समर्थन देने का निर्णय लिया है।

सकीना इन्हें, जब दिवं दर तथा जाविद कमज़ोर मुख्यमंत्री बनने विशेषता राना। सरोश शर्मा छम्ब से निवाचित अर्जित की है। ज्ञातव्य है कि केंद्र निवैदिय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर के बाद एस.सी. को समर्थन देया था। वर्ष 2000 के बाद, उमर तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत अब्दुल्लाह ने कहा, “मैं छ: वर्ष पृष्ठ 3 पर)

कार्यकाल पूरा करने वाला अन्तिम मुख्यमंत्री था। अब मैं केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का प्रथम मुख्यमंत्री रहूँ।” छ: साल का कार्यकाल पूरा करने की पिछली विशेषता को लेकर, मैं काफी प्रबल हूँ। किसी केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री होना पूरा तरह विश्वसनीय है। इस पद की अपनी निजी चुनौतियाँ हैं। मैं यह आशा करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा एक अस्थाई फैट्ट है।

यूविन टेरिटरी (यू.टी.) जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री सहित, मन्त्रियों के केवल 9 पद हैं। कांग्रेस के छ: विधायकों में से किसी को भी शपथ नहीं होती। दिल्ली में कांग्रेस के एक सुरु ने कहा कि अब्दुल्लाह ने कैनिंगेट मन्त्री के केवल 1 पद को पर्याप्त किया है। लेकिन एक पद पार्टी को स्वीकार नहीं था। कांग्रेस विधायक दल के नेता गुलाम अहमद भी ने कहा, “जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के समय कांग्रेस के किसी भी निवाचित सदस्य ने शपथ नहीं होती।” (पार्टी का यह कदम) जम्मू-कश्मीर को ज्यादा शक्तियाँ देने का दर्जा वापस न दिए जाने के लिए उपराज्यपाल ने दोनों मोदी के विलाप हमारे विरोध का प्रतीक है।” उन्होंने कहा

नाबालिंग पुत्री से अश्लीलता करने वाले पिता को सजा

ज्यात्युत 5500 रुपये की जुर्माना भी लाया।

अभियोजक पक्ष की ओर से विशेष

लोक अभियोजक राजेश श्योराण ने

पीडिंगा की माँ की रिपोर्ट पर जवाहर सर्किल थाने ने 23 मार्च को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था।

अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीडिंगा की माँ ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पति ने को आदानी है। ज्ञातव्य है कि केंद्र निवैदिय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर के बाद एस.सी. को समर्थन देया था। वर्ष 2000 के बाद, उमर तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत अब्दुल्लाह ने कहा, “मैं छ: वर्ष पृष्ठ 3 पर)

कार्यकाल पूरा करने वाला अन्तिम मुख्यमंत्री था। अब मैं केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का प्रधानमंत्री रहूँ।” छ: साल का कार्यकाल पूरा करने की पिछली विशेषता को लेकर, मैं काफी प्रबल हूँ। किसी केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री होना पूरा तरह विश्वसनीय है। इस पद की अपनी निजी चुनौतियाँ हैं। मैं यह आशा करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा एक अस्थाई फैट्ट है।

यूविन टेरिटरी (यू.टी.) जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री सहित, मन्त्रियों के केवल 9 पद हैं। कांग्रेस के छ: विधायकों में से किसी को भी शपथ नहीं होती। दिल्ली में कांग्रेस के एक सुरु ने कहा कि अब्दुल्लाह ने कैनिंगेट मन्त्री के केवल 1 पद को पर्याप्त किया है। लेकिन एक पद की अपनी निजी चुनौतियाँ हैं। मैं यह आशा करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा एक अस्थाई फैट्ट है।

अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीडिंगा की माँ ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पति ने को आदानी है। ज्ञातव्य है कि केंद्र निवैदिय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर के बाद एस.सी. को समर्थन देया था। वर्ष 2000 के बाद, उमर तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत अब्दुल्लाह ने कहा, “मैं छ: वर्ष पृष्ठ 3 पर)

पीडिंगा की माँ की रिपोर्ट पर जवाहर सर्किल थाने ने 23 मार्च को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था।

अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीडिंगा की माँ ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पति ने को आदानी है। ज्ञातव्य है कि केंद्र निवैदिय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर के बाद एस.सी. को समर्थन देया था। वर्ष 2000 के बाद, उमर तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत अब्दुल्लाह ने कहा, “मैं छ: वर्ष पृष्ठ 3 पर)

पीडिंगा की माँ की रिपोर्ट पर जवाहर सर्किल थाने ने 23 मार्च को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था।

अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीडिंगा की माँ ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पति ने को आदानी है। ज्ञातव्य है कि केंद्र निवैदिय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर के बाद एस.सी. को समर्थन देया था। वर्ष 2000 के बाद, उमर तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत अब्दुल्लाह ने कहा, “मैं छ: वर्ष पृष्ठ 3 पर)

पीडिंगा की माँ की रिपोर्ट पर जवाहर सर्किल थाने ने 23 मार्च को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था।

अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीडिंगा की माँ ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पति ने को आदानी है। ज्ञातव्य है कि केंद्र निवैदिय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर के बाद एस.सी. को समर्थन देया था। वर्ष 2000 के बाद, उमर तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत अब्दुल्लाह ने कहा, “मैं छ: वर्ष पृष्ठ 3 पर)

पीडिंगा की माँ की रिपोर्ट पर जवाहर सर्किल थाने ने 23 मार्च को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था।

अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीडिंगा की माँ ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

विचार बिन्दु

मनस्वी पुरुष पर्वत के समान ऊँचे और समुद्र के समान गंभीर होते हैं।

उनका पार पाना कठिन है। -माघ

चुनाव में हारते ही ईवीएम की पिटाई, कब तक?

ह हरयाणा के चुनाव सम्पत्र हुए। भाजपा विजयी हुई। कांग्रेस के लिए करीब-करीब सारे टीवी चैनल्स, राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा विजय का आकलन था, जो 100 प्रतिशत गलत सिद्ध हुए।

हारी ही कांग्रेसें और बातों के साथ-साथ, ईवीएम पर भी अपनी हार का टीकरा फोड़ा है। चुनाव आयोग को शिकायत की है। चुनाव आयोग कब और क्या करेगा अल्लाह, (नहीं-नहीं अकेला अल्लाह क्यों, सनातनी देवता, देवियां भी) जाने।

खेड़े इम बीज पंदित में बैठे एक समृद्ध है, ईवीएम पर कुछ रोचक और कुछ कुछ गमधार बातें सुनी, को ही आपको भी सुनता हूँ।

एक व्यक्ति का प्रश्न था कि-जब हारोंने भूले दूर से बैक एकाउंट, हवाई जहाज है कहो सकते हैं, भूले-विरोध से उपरकण पेजर के माध्यम से दुश्मन के टिकाने घस्त किए जा सकते हैं, एयरपोर्ट, एस्स जैसे अस्पतालों का पूरा सिस्टम स्टैंडस्टिल किया जा सकता है तो फिर EVM को हैक कर्मों नहीं किया जा सकता?

दूसरों का उत्तर था-चुनाव आयोग के अनुसार, EVM स्टैंड-अलॉन मशीन है, बाहर के इलेक्ट्रिक सिग्नल्स से पैरेंट: कर्तृआँक हैं, इसलिए इसको हैक नहीं किया जा सकता।

पहले ने कहा EVM स्टैंपरेंटर अधिकारी उपकरण है तो दूर से अपैटेट कर्मों नहीं हो सकती। सॉफ्टवेयर को डिजाइन इस ढंग से किया जा सकता है कि कुछ इंटरवर्क्स पर, पूर्व से मशीन में इंस्टाल किए प्रोग्राम के अनुसार बोटों की, एक उम्मीदवार के लिए सेलेक्टिव रिकार्डिंग शुरू कर दे और कुछ अतिराल में फिर बोटों को नॉर्मल रिकार्डिंग शुरू कर दे।

दूसरों का उत्तर था-व्यक्ति गले तो नहीं उत्तर रही।

अब उक्त शान तीसरे व्यक्ति के लिए बात लोगों की बाती की जाए, वार तो सुप्रीम कोर्ट, ईवीएम से चुनाव न करने वाली व इसमें गडबड़ी की आशंकाओं वाली याचिकाएं खारिज कर चुका है। भारत के चुनाव आयोग को भी सभी राजनीतिक दलों व आपत्ति करने वालों को अवसर दिया था कि उनके समक्ष ईवीएम को हैक करके दिखाओ...किन्तु अभी तक तो कोई हैकिंग का प्रदर्शन कर नहीं सका।

पहले ने व्यक्ति का प्रति उत्तर था कि अब तक कोई करने नहीं होता है किया जा सकता है। कोई इलेक्ट्रोनिक उपकरण ऐसा नहीं हो सकता कि यह मशीन हैक करने वाला दूर से अपैटेट कर्मों नहीं किया जा सकता। घर से बाहर रहो हुए फ्रिज, पंखे, टीवी, पीसी ऑपरेट किए जा सकते हैं हूँ कि किए EVM कर्मों नहीं??

इस तर्क के विपरीत समूह के एक दूसरे व्यक्ति का कहना था कि एक विधान सभा क्षेत्र में चुनाव करने के लिए शुरू से अंत तक कम से कम 400, 500 व्यक्ति विभिन्न समय, विभिन्न प्रकार के काम करते हैं। तब ने आदिवायियों के मध्य जो कार्य सम्पत्र हो, वहां से कोई EVM मशीन हैक कर दे बात समझ में तो नहीं आती।

अगर यह तर्क हो कि मतदान वाले दिन कोई ऐसा कर सकता तो भी भारत मतदान दल के 6, 7 व्यक्तियों के बीच यह बात गोपनीय रह नहीं सकती। मान लो तक यह हो कि जिस प्रजाविद्यांनि अधिकारी को पास मशीन को मतदान के लिए चालू चलने के लिए किए जाने वाली विवरान क्षेत्रों में विवरान करने वालों को अवसर दिया था कि उनके समक्ष ईवीएम को हैक करके दिखाओ...किन्तु अभी तक तो कोई हैकिंग का प्रदर्शन कर नहीं सका।

यह व्यक्ति के ज्यूस व तरल पदार्थ के एक व्यक्ति का कहना था कि अब तक कोई करने नहीं होता है किया जा सकता है। दूसरे व्यक्ति के लिए एक व्यक्ति को अपने विवरान क्षेत्रों में विवरान करने वालों को अवसर दिया गया है। वहां से कोई विवरान करने वालों को अवसर दिया गया है।

लेकिन मान लो कि यह पीठासीन व्यक्ति किसी विशिष्ट पार्टी से संचालित विश्वशनीय व्यक्ति है तो भी उसे हैक करने वाला सॉफ्टवेयर तो पहले से देना पड़ेगा और यह भी अति गोपनीय ठंग से हो सके, ऐसी संभावनाएं भी शून्य जैसी लगती है। यदि ऐसा किया भी जा सकता है तो कोई विवरान करने वालों को अवसर दिया गया है। अब यह किसी को लिए चालू चलने के लिए किए जाने वाली विवरान क्षेत्रों में विवरान करने वालों को अवसर दिया गया है।

चुनाव के दैरान किसी भी प्रकार की गडबड़ी की शिकायतें भी होती हैं और निर्वाचन अधिकारी, चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक मौके पर पहुँच कर रही हैं।

एक व्यक्ति का प्रश्न था कि-जब हजारों मील दूर से बैक एकाउंट, हवाई जहाज हैक होकर हो सकते हैं, भूले-बिसरे से उपकरण पेजर के माध्यम से दुश्मन के टिकाने घस्त किए जा सकते हैं, एयरपोर्ट, एस्स जैसे अस्पतालों का पूरा सिस्टम स्टैंडस्टिल किया जा सकता है तो किए EVM को हैक कर्मों नहीं किया जा सकता?

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र की आवश्यकता, वहां मान लीजिए कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा कि उसके दोस्त में पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई भी जाए कि कहा कि उसके दोस्त में

यह विश्वासी व्यक्ति के लिए शपथपत्र देने से आगे कहा क

MARUTI SUZUKI

TRUE VALUE

वाइल्ड रेज के साथ बेहतरीन क्वालिटी मिलेगी
सिएफ ट्रू व्यूल



CELEBRATING
50 LAKH
HAPPY FAMILIES

376 क्वालिटी
चेक पॉइंट्स



वेरिफाइड
कार हिस्ट्री*



3 फ्री सर्विस और
1 साल तक की वारंटी*



पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzkitruevalue.com

*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू निःशुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।

NEAR ALWAR PUBLIC SCHOOL, JAIPUR ROAD, ALWAR, MG MOTORS: 7240012934, 7728892248, 7073130666 | MANHAR VILLA, NEAR JAIL CIRCLE, VIJAY NAGAR ROAD, ALWAR, FORTUNE CARS: 7230029310, 7230029304 | OPPOSITE MATILA POLICE STATION ALWAR BYPASS ROAD BHIWADI, FORTUNE CARS: 8875001550, 9214094335 | BHARATPUR: AFTER BARSO, BEFORE SHAHEED PETROL PUMP, AGRA ROAD, BHARATPUR, T.M. MOTORS: 9772965965, 9772772999.



अधिक
जानने के लिए
स्कैन करें